

1. कर्तृ (nom. ag. von 1. कर्) *Thäter, Ausführer, Schaffer, Vollbringer, Urheber; der Fungierende (Priester)* MED. t. 8. समर्दनस्य कर्ता RV. 1,100, 6. भेषजस्य AV. 5,29, 1, 2,12, 5. ग्रन्थः कर्ता सुकर्तारस्य मृन्धन् RV. 3,31, 2. इन्द्रस्य कर्ता स्वर्पस्तमो भूत् 4,17, 4. कर्वा कृतः सुकृतः कर्तुर्भिर्भूत् 7,62, 1. 1,139, 7. 6,19, 1. VS. 29, 9. AV. 10,1, 14, 17, 30. अग्निर्वि मिथुनस्य कर्ता प्रजनयिता ÇAT. Br. 3,4, 3, 4, 1, 4, 1, 14, 7, 3, 17. कर्ता प्रमालभते कर्तारं यत्रमानः ÂÇV. GRHJ. 1, 11. 4, 2. KAUC. 92. — न कर्ता कस्यचित्कश्चित् R. 4, 24, 5. धनुःशराणाम् M. 3,160. आश्रमाणां च कर्तारः कुलानां चैव भारत । देशानां नगराणां च ते नराः स्वर्गगामिनः ॥ MBh. 13, 1662. लोकानाम् R. 3,69, 7. व्याकरणास्य PANKAT. II, 34. काव्यस्य TRIK. 2, 7, 4. वंशस्य RAGH. 2, 64. तिलस्य KATHAS. 5, 34. साहसस्य नरः कर्ता M. 8, 345. ब्राह्मस्य जन्मनः 2, 150. ज्ञानं तपः u. s. w. शुद्धः कर्तुणि देहिनाम् 8, 105. कर्मणाम् 7, 128. अभिषेचनविग्रहस्य R. 2, 23, 40. अर्थमानयोः 4, 38, 20. (अधर्मः) कर्तुर्मूलानि कृत्ति M. 4, 172. 173. 8, 18, 19. DAÇ. 1, 5. PANKAT. II, 134. यथा मृत्पिण्डतः कर्ता कुरुते यद्यदिच्छति HIT. Pr. 33. ब्राह्मणेषु च विद्वांसो (श्रेष्ठाः) विद्वत्सु कृतबुद्धयः । कृतबुद्धिषु कर्तारः (die da vollbringen, was sie erkannt haben) कर्तुषु ब्रह्मवेदिनः ॥ M. 1, 97. Häufig in comp. mit dem obj. H. 5. तत्कर्ता M. 11, 207. कूटशासनं 9, 232. निपानं 4, 201. इपं R. 5, 22, 13. नयशास्त्रं PANKAT. Pr. 2. स्थिरधातुं 5, 219, 15. मृणं KĀN. 43. नरपतिकृत् PANKAT. I, 147. भयं N. 12, 70. अथकर्त्री KATHAS. 25, 153. सुवर्णकर्तार Goldarbeiter M. 4, 215. हेमं 12, 61. राज्यं 10, 15, 8, 45. — f. कर्त्री = कारिका Vop. im ÇKDr.

2. कर्तृ (wie eben) dass., mit dem acc. des Objects: कर्ता कटान् P. 3, 2, 135, Sch. 6, 1, 174, Sch.

कर्तरि (von 1. कर्त्तृ) f. Scheere: लुरकर्तरिसंदेशैस्तस्य रोमाणि निर्हरेत् Suçr. 2, 13, 16. — Vgl. कर्तरी.

कर्तरिका (von कर्तरि oder ०री) f. Jagdmesser HIT. 43, 19.

कर्तरी f. 1) Scheere oder Dolch, Jagdmesser AK. 2, 10, 34. H. 911. Vgl. कर्तारि. — 2) der Theil des Pfeiles, an den die Federn befestigt werden (पुद्ग) H. 781.

कर्तरीय eine best. Giftpflanze Suçr. 2, 252, 2.

कर्तव्य und कर्तव्य (von 1. कर्) adj. P. 3, 1, 96, Sch. zu machen, zu thun, zu vollbringen: न यज्ञः कर्तव्यम् TS. 1, 5, 3, 4. At. Br. 2, 3. ÇAT. Br. 2, 2, 3, 3 (acc. unbest.). हेमः M. 11, 222. योषिता । न स्वातह्येणा कर्तव्यं किञ्चित्कार्यं गृहेष्वपि 5, 147. R. 3, 9, 18. शौचम् M. 5, 114. अशप्रकल्पना 8, 211. व्रणशोधनम् Suçr. 2, 100, 6. दम्: eine Strafe ist zu verhängen M. 9, 290. निर्विषेणापि सर्पेण कर्तव्या मरुती फटा PANKAT. I, 229. न तस्य देयो कर्तव्यः 470. कर्तव्या तपसे मतिः man hat die Gedanken auf Kästeigungen zu richten R. 2, 28, 24. नात्रिवर्षस्य कर्तव्या बान्धवैरुदकाक्रिया die Wasserspende ist nicht darzubringen M. 5, 70. मया प्रातर्निःस्रवं वनं कर्तव्यम् ich muss den Wald thierlos machen PANKAT. 53, 8. M. 8, 64. 10, 51. तस्मात्ति तथा कर्तव्या (man muss mit ihnen so verfahren) यथा पलायमाना हन्यमानाः स्वर्गं न गच्छन्ति PANKAT. 48, 4. यद्येवमिह कर्तव्यम्

wenn man hier so verfahren kann, will N. 13, 44. Das n. als subst. das Zuthuende, Obliegenheit, Aufgabe: मुहूर्तमिव संचित्य कर्तव्यस्य विनिश्चयम् SUND. 3, 10. कर्तव्यविमूढः सन् KATHAS. 7, 65. मनस्याहितकर्तव्याः KUMARAS. 2, 62. कर्तव्यं समकृतम् R. 4, 34, 32. न च लघुवर्ष कर्तव्येषु धीमदिरनादरः कार्यः PANKAT. 202, 5.

कर्तव्यता (von कर्तव्य) f. Geschäft, Obliegenheit: शास्त्राणि चितयेत् — सर्वकर्तव्यतास्तथा JĀGĀN. 1, 330.

कर्तु nom. act. von 1. कर्; davon folgende casus als infin.: कर्तुम् AV. 5, 31, 11. ÇAT. Br. 5, 2, 3, 4. कर्तुं वे ved. P. 3, 4, 9, Sch. RV. 2, 22, 1. कर्तुं वे P. 6, 1, 200, Sch. NAIGH. 2, 1. ÇAT. Br. 2, 1, 4, 4. 4, 4, 5, 19. कर्तुं नाIGH. 2, 1. RV. 4, 113, 4. 2, 38, 4. Nir. 4, 11.

कर्तृकर (कर्तृ + कर) P. 3, 2, 21.

कर्तृता (von कर्तृ) n. das Agens-Sein einer Handlung SĀH. D. 12, 2.

कर्तृव (wie eben) n. das Thäter - Sein, Urheber - Sein MBh. 3, 1232. BHAG. 5, 14. BHĪG. P. 3, 26, 6, 26.

कर्तृपुर (कर्तृ + पुर) n. N. pr. einer Stadt LIA. II, 953.

कर्तृमत् adj. von कर्तृ P. 6, 1, 176, Sch.

कर्तव्य (von 1. कर्त्तृ) adj. niederzumachen, zu tödten: पुत्रः सखा वा धाता वा पिता वा यदि वा गुरुः । रिपुस्थानेषु वर्ततः कर्तव्या भूतिमिच्छता ॥ MBh. 1, 5593.

कर्तृका (wie eben) f. ein kleines Schwert, Messer TANTRAS. im ÇKDr. — Wohl richtiger कर्त्तिका.

कर्त्री (wie eben) f. Scheere ÇABDAR. im ÇKDr. — Davon demin. कर्त्तिका Jagdmesser HIT. 43, 19, v. l. für कर्तरिका.

कर्त्य (wie eben) adj. abzuschneiden, abzuhaueu: तस्यापु कर्त्यं मृदुल्यो M. 8, 367.

कर्त्र्, कर्त्रपति lösen Dhātup. 35, 60. — Vgl. 3. कर्त् und कत्र्.

कर्त्र (von 1. कर्) n. Zaubermittel, Zauber: दुर्भूतं कर्त्रं कृत्याकृता कृतम् AV. 10, 1, 32, 19.

कर्त्रेयि (denom. von कर्तृ), कर्त्रेयिणि Vop. 21, 2.

कर्त्त (von 1. कर्; vgl. P. 3, 4, 14) adj. zu machen, auszuführen; n. ein zuthuendes Werk, Aufgabe NAIGH. 2, 1. अश्रुः कर्त्ता रथे उतेह कर्त्तः RV. 4, 161, 3. तद्देवानां देवतमाप कर्त्तम् 2, 24, 3. 30, 10. इन्द्रे विश्वानि वीर्या कृतानि कर्त्तानि च 8, 52, 6. 1, 23, 10. 9, 47, 2. 10, 48, 3. 113, 7. वृहन्न मे अकृता कर्त्तानि 4, 18, 2. 1, 10, 2. 8, 90, 7. 10, 61, 6.

कर्द्द, कर्दति (कुत्सिते शब्दे) Dhātup. 3, 22. vom Knurren der Eingeweide (s. कर्दन); vgl. übrigens पर्द्.

कर्द् m. = कर्द्म Sumpf ÇABDAR. im ÇKDr.

कर्दट m. 1) Sumpf (vgl. कर्द्म). — 2) Lotuswurzel (कर्काट). — 3) = पङ्कार (any aquatic weed, as Vallisneria, etc.) MED. t. 35.

कर्दन 1) n. das Knurren in den Eingeweiden (von कर्द्) H. 1403. — 2) f. कर्दनी der Tag des Vollmonds im Monat Kaitra (ein Festtag) TRIK. 1, 1, 109.

1. कर्द्म 1) m. Uṇ. 4, 85. कर्द्म und कर्द्म ÇINT. 3, 10. a) Schlamm, Bodensatz, Schmutz, Unreinigkeit AK. 1, 2, 3, 9. H. 1090. KĀT. ÇR. 25, 8. 2. रथ्याकर्दमतोयानि JĀGĀN. 1, 197. रसानां कर्दमा नयो बभूवुः MBh. 14, 2683. अकर्दमा (नदी) 3, 11353. R. 3, 78, 31. तीर्थमकर्दमम् 1, 2, 5. नद्यः पायसकर्दमाः 2, 91, 40. 6, 28, 42. 94, 5. पथ्याश्यानकर्दमान् RAGH. 4, 24. पौदी